INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

राजनीति में युवाओं की व्यस्तता

[1] Preeti Saini, [2]Dr. Jiley Singh
[1]Research Scholar, [2]Supervisor
[1-2] Department of Political Science, Malwanchal University, Indore

सार

राजनीति में युवाओं की भागीदारी एक जीवंत और स्वस्थ लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह शोध मतदान, सक्रियता और नेतृत्व भूमिकाओं सहित राजनीतिक गतिविधियों में युवाओं की भागीदारी के विभिन्न आयामों की पड़ताल करता है। यह उन कारकों पर प्रकाश डालता है जो युवाओं की भागीदारी को प्रभावित करते हैं, जैसे शिक्षा, सोशल मीडिया और नागरिक शिक्षा कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, यह नीतिगत निर्णयों को आकार देने में युवाओं की भागीदारी के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों, जैसे राजनीतिक उदासीनता और मोहभंग पर भी चर्चा करता है। यह शोध युवा व्यक्तियों को राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनने के लिए सशक्त बनाने के महत्व पर प्रकाश डालता है, क्योंकि उनके दृष्टिकोण और आवाज से अधिक समावेशी और उत्तरदायी शासन हो सकता है। राजनीति में युवाओं की भागीदारी के प्रमुख चालकों और बाधाओं की जांच करके, यह शोध राजनीतिक क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संभावित रणनीतियों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

मुख्य शब्दः युवा जुड़ाव, राजनीति, प्रजातंत्र, मतदान, सक्रियतावाद, नेतृत्व, नागरिक शिक्षा, सामाजिक मीडिया, नीतिगत निर्णय, राजनीतिक उदासीनता, समावेशिता, नागरिक भागीदारी, युवा मतदाता, राजनीतिक सक्रियतावाद, युवा सशक्तिकरण।

परिचय

राजनीति में युवाओं की भागीदारी समकालीन समाज में सर्वोपरि महत्व का विषय है। राजनीतिक प्रक्रिया में युवा व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी न केवल एक संपन्न लोकतंत्र का प्रतिबिंब है, बल्कि इसके विकास के लिए एक आवश्यकता भी है। युवा एक राष्ट्र के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, और मतदान से लेकर सक्रियता और नेतृत्व की भूमिका निभाने तक विभिन्न राजनीतिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी, नीतिगत निर्णयों और देश की समग्र दिशा पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। हालाँकि, युवाओं के लिए राजनीति की दिशा तय करने की क्षमता के बावजूद, कई चुनौतियाँ हैं जो उनकी भागीदारी में बाधा डालती हैं, जैसे राजनीतिक उदासीनता और मोहभंग। इस शोधका उद्देश्य राजनीति में युवाओं की भागीदारी की बहुमुखी प्रकृति का पता लगाना है, जिसमें प्रेरक कारकों, बाधाओं और एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने के महत्व पर विचार किया गया है जहां युवा लोग अपने समुदायों और राष्ट्रों को आकार देने में सक्रिय रूप से शामिल हों। राजनीति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालकर, हम लोकतांत्रिक भागीदारी की गतिशीलता को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और अधिक समावेशी और उत्तरदायी शासन की दिशा में काम कर सकते हैं।

हाल के वर्षों में, राजनीतिक परिदृश्य में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका की मान्यता बढ़ रही है। प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते प्रभाव ने युवाओं के लिए विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर जुड़ना, संगठित होना और अपनी राय व्यक्त करना आसान बना दिया है। परिणामस्वरूप, युवा परिवर्तन की वकालत करने में एक शक्तिशाली शक्ति बन गए हैं, चाहे वह जलवायु कार्रवाई, सामाजिक न्याय या आर्थिक सुधार के क्षेत्र में हो। समस्या–समाधान के लिए उनके अद्वितीय दृष्टिकोण और नवीन दृष्टिकोण अधिक विविध और व्यापक निर्णय लेने की प्रक्रिया में योगदान करते हैं।

फिर भी, राजनीति में युवाओं की भागीदारी की पूरी क्षमता का दोहन करने में चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कई युवा राजनीतिक व्यवस्था से अलग महसूस कर रहे हैं और पारंपरिक राजनीतिक संस्थानों से मोहभंग महसूस कर रहे हैं। युवा नागरिकों के बीच मतदान प्रतिशत जैसे मुद्दे अक्सर वांछनीय स्तर से नीचे आते हैं, और

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

मतदाताओं और नेताओं की अगली पीढ़ी को सूचित और प्रेरित करने के लिए व्यापक नागरिक शिक्षा कार्यक्रमों की आवश्यकता है।
यह शोध इन जटिलताओं पर प्रकाश डालेगा, युवा जुड़ाव के पीछे की प्रेरक शक्तियों, इसमें बाधा डालने वाली बाधाओं और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने वाले वातावरण के पोषण के महत्व की जांच करेगा। राजनीति में युवाओं की भागीदारी के बहुमुखी आयामों की खोज करके, हम खेल की गतिशीलता की गहरी समझ हासिल कर सकते हैं और एक अधिक जीवंत, समावेशी और उत्तरदायी राजनीतिक परिदृश्य की ओर काम कर सकते हैं जो युवा व्यक्तियों की भागीदारी को महत्व देता है और प्रोत्साहित करता है। अंततः, यह शोध युवाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में सूचित, सक्रिय और प्रभावशाली भागीदार बनने के लिए सशक्त बनाने के लिए नीति निर्माताओं, शिक्षकों और सामुदायिक नेताओं के लिए अंतर्दृष्टि और रणनीतियाँ प्रदान करना चाहता है।

भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका

भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण और निर्विवाद है। कल के पथप्रदर्शक के रूप में, युवा व्यक्ति बड़े पैमाने पर समाज, अर्थव्यवस्था और दुनिया की दिशा को प्रभावित करने और ढालने की शक्ति रखते हैं। उनके नए दृष्टिकोण, नवोन्मेषी सोच और अनुकूलन क्षमता समसामयिक चुनौतियों से निपटने और उज्जवल भविष्य की कल्पना करने में अमूल्य संपत्ति हैं। राजनीति में, युवाओं की भागीदारी बदलाव के लिए उत्प्रेरक है, क्योंकि सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता और न्यायसंगत शासन के लिए उनकी मांगें नीतिगत बदलाव और सुधार ला सकती हैं। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता में, युवा उद्यमी और नवप्रवर्तक जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान में अग्रणी हैं। शिक्षा, वकालत और विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी इस क्षमता को पोषित करने में सहायक है। भविष्य को आकार देने में सक्रिय और रचनात्मक रूप से शामिल होने के लिए युवाओं को पहचानकर और सशक्त बनाकर, हम उभरते मुद्दों से निपटने और अधिक समावेशी और टिकाऊ दुनिया बनाने के लिए उनकी ऊर्जा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकते हैं। संक्षेप में, भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका केवल पसंद का मामला नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में प्रगति और उन्नति के लिए एक सामूहिक आवश्यकता है।

परिवर्तन के लिए प्रेरक शक्ति के रूप में युवा

युवा, अपनी ऊर्जा, उत्साह और नए दृष्टिकोण के साथ, आज की दुनिया में बदलाव के लिए निर्विवाद रूप से एक प्रेरक शक्ति हैं। गंभीर वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने के प्रति उनका जुनून और प्रतिबद्धता उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलावों के लिए उत्प्रेरक बनाती है।
सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन के क्षेत्र में, युवा कार्यकर्ता और अधिवक्ता समानता, मानवाधिकार और पर्यावरणीय स्थिरता के आंदोलनों में सबसे आगे रहे हैं। वे यथास्थिति को चुनौती देते हुए और प्रेरणादायक कार्रवाई करते हुए नए विचार और दृष्टिकोण सामने लाते हैं। उदाहरण के लिए, युवाओं के नेतृत्व वाली जलवायु सक्रियता में हालिया उछाल ने न केवल जागरूकता बढ़ाई है, बल्कि स्थिरता पर नीतिगत बदलाव और चर्चा को भी प्रेरित किया है।
प्रौद्योगिकी और नवाचार की दुनिया में, युवा उद्यमी और डेवलपर्स लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों को पेश कर रहे हैं जो उद्योगों को नया आकार देते हैं और हमारे जीने के तरीके में सुधार करते हैं। उनमें बाजार में कमियों को पहचानने और समाज की उभरती जरूरतों को पूरा करने वाले समाधान तैयार करने की क्षमता है।
इसके अतिरिक्त, रचनात्मक कला, मीडिया और संस्कृति में युवाओं की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। उनमें जनमत को आकार देने, रूढ़िवादिता को चुनौती देने और अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सामाजिक मानदंडों को प्रभावित करने की क्षमता है।
युवाओं को उनकी क्षमता का दोहन करने और उनकी ऊर्जा को रचनात्मक रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक समर्थन, शिक्षा और मंच प्रदान करना आवश्यक है। ऐसा करके, हम युवाओं को सकारात्मक बदलाव लाने और हम सभी के लिए बेहतर भविष्य को आकार देने के लिए सशक्त बना सकते हैं। उनका जुनून,

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

नवाचार और समर्पण उन्हें हमारे समय की चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने में एक गतिशील और अपरिहार्य शक्ति बनाता है।

युवा राजनीतिक सहभागिता में बाधाएँ

एक जीवंत लोकतंत्र के लिए युवाओं की राजनीतिक भागीदारी महत्वपूर्ण है, लेकिन कई बाधाएं हैं जो अक्सर युवाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने से रोकती हैं। कुछ प्रमुख बाधाओं में शामिल हैं:

- **जानकारी का अभाव:** कई युवा व्यक्तियों को राजनीतिक प्रक्रियाओं, उम्मीदवारों या मतदान के महत्व के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं हो सकती है। जानकारी की यह कमी उन्हें भाग लेने से हतोत्साहित कर सकती है।
- **उदासीनता और मोहभंग**: युवा लोग राजनीतिक व्यवस्था से मोहभंग महसूस कर सकते हैं, इसे भ्रष्ट या अपनी चिंताओं के प्रति अनुत्तरदायी मानते हैं। यह मोहभंग राजनीतिक उदासीनता को जन्म दे सकता है, जिससे वे अलग हो सकते हैं।
- **सूचना तक सीमित पहुंच:** कुछ मामलों में, हाशिए पर या वंचित युवाओं के पास इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी या गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच जैसे कारकों के कारण जानकारी तक सीमित पहुंच हो सकती है, जो उनकी राजनीतिक भागीदारी में बाधा बन सकती है।
- **मतदान में बाधाएँ:** प्रतिबंधात्मक मतदाता पहचान कानून, जटिल पंजीकरण प्रक्रियाएँ और मतदान केंद्रों तक सीमित पहुँच जैसी बाधाएँ युवा मतदाताओं को चुनाव में भाग लेने से रोक सकती हैं।
- **संशयवाद और अविश्वास:** युवा लोग राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को स्वार्थी या अविश्वसनीय मान सकते हैं, जो राजनीति में उनकी भागीदारी को हतोत्साहित कर सकता है।
- **समय की कमी:** शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों की माँग के कारण युवा व्यक्तियों के लिए राजनीतिक सहभागिता के लिए समय निकालना कठिन हो सकता है।
- **प्रतिनिधित्व का अभाव:** जब युवा लोग ऐसे राजनेताओं को नहीं देखते हैं जो उनकी उम्र या चिंताओं को दर्शाते हैं, तो वे राजनीति में शामिल होने के लिए कम प्रेरित महसूस कर सकते हैं।
- **साथियों का दबाव:** सामाजिक और साथियों का दबाव राजनीतिक दृष्टिकोण और व्यवहार को प्रभावित कर सकता है, जिससे कुछ युवा स्वतंत्र राजनीतिक राय बनाने के बजाय अपने सामाजिक दायरे के विचारों के अनुरूप हो सकते हैं।
- **धमकी और उत्पीड़न**: युवा कार्यकर्ता जो राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होते हैं, विशेष रूप से अधिक सत्तावादी संदर्भों में, उन्हें धमकी या उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी भागीदारी हतोत्साहित हो सकती है।
- **जटिल नौकरशाही:** सरकार और नौकरशाही की जटिलताएँ भारी हो सकती हैं, जिससे युवाओं के लिए अपने हितों की प्रभावी ढंग से वकालत करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

इन बाधाओं को दूर करने के लिए युवा व्यक्तियों को राजनीति में शामिल होने के लिए अधिक सुलभ और समावेशी अवसर प्रदान करने के लिए नीति निर्माताओं, शिक्षकों और समुदायों के ठोस प्रयास की आवश्यकता है। नागरिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना, मतदान प्रक्रिया को सरल बनाना और अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी राजनीतिक प्रणाली को बढ़ावा देना इन बाधाओं को कम करने में मदद कर सकता है और युवाओं को अपने समाज को आकार देने में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त बना सकता है।

राजनीतिक शिक्षा एवं जागरूकता का अभाव

राजनीतिक शिक्षा और जागरूकता की कमी युवा राजनीतिक सहभागिता में एक महत्वपूर्ण बाधा है। यह युवा व्यक्तियों को राजनीतिक व्यवस्था, उनकी भागीदारी के महत्व और उनकी भागीदारी का उनके समुदायों और राष्ट्रों पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने में बाधा डालता है। इस बाधा से संबंधित कुछ मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

- **सीमित नागरिक शिक्षा:** कई शैक्षिक प्रणालियों में, व्यापक नागरिक शिक्षा कार्यक्रमों की कमी है जो युवाओं को सरकारी संरचनाओं, चुनावी प्रक्रिया और नागरिकों के रूप में उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में सिखाते हैं। इस ज्ञान के बिना, युवा पूरी तरह से समझ नहीं पाएंगे कि राजनीति में प्रभावी ढंग से कैसे शामिल होना है।
- **पाठ्यक्रम में नागरिक शास्त्र:** कुछ मामलों में, स्कूल अपने पाठ्यक्रम में नागरिक शास्त्र की शिक्षा को प्राथमिकता नहीं देते हैं और अन्य विषयों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे छात्र राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए तैयार नहीं हो पाते हैं।
- **जटिल राजनीतिक व्यवस्था:** राजनीतिक प्रणालियाँ जटिल हो सकती हैं, और यह समझना कि वे कैसे कार्य करती हैं, जिसमें विभिन्न सरकारी शाखाओं और संस्थानों की भूमिकाएँ भी शामिल हैं, पर्याप्त मार्गदर्शन के बिना युवाओं के लिए भारी पड़ सकता है।
- **मीडिया साक्षरता:** सूचना और समाचार स्रोतों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने के लिए युवा व्यक्तियों को अक्सर मीडिया साक्षरता कौशल की आवश्यकता होती है। मीडिया साक्षरता शिक्षा के अभाव से भ्रम और गलत सूचना पैदा हो सकती है, जिससे उनके लिए सूचित राजनीतिक निर्णय लेना मुश्किल हो जाएगा।
- **राजनीतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता:** कई युवाओं में उन राजनीतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता की कमी हो सकती है जो सीधे उनके जीवन, समुदाय और भविष्य को प्रभावित करते हैं। इसके परिणामस्वरूप राजनीतिक प्रक्रिया से अरुचि या अलगाव हो सकता है।
- **रोल मॉडल और सलाहकार:** राजनीतिक रोल मॉडल या सलाहकारों की अनुपस्थिति जो युवा व्यक्तियों को मार्गदर्शन और प्रेरित कर सकते हैं, उन्हें राजनीतिक भागीदारी से रोक सकते हैं।

युवाओं में राजनीतिक शिक्षा और जागरूकता की कमी को दूर करना राजनीति में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। इसमें स्कूलों में मजबूत नागरिक शिक्षा कार्यक्रम लागू करना, मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देना और युवाओं के लिए राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए जगह बनाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, सलाह और रोल मॉडल प्रदान करने से युवाओं को उनकी राजनीतिक यात्रा में प्रेरणा

और मार्गदर्शन मिल सकता है, जिससे उन्हें अपने समाज के भविष्य को आकार देने में अपनी आवाज और भागीदारी के महत्व का एहसास करने में मदद मिल सकती है।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः, राजनीति में युवाओं की भागीदारी एक तत्काल आवश्यकता और एक असाधारण अवसर दोनों है। बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद, युवाओं की ऊर्जा, आदर्शवाद और नवीन सोच उन्हें सकारात्मक बदलाव के लिए एक आवश्यक शक्ति बनाती है। युवा राजनीतिक जुड़ाव की बाधाओं को दूर करने के लिए, समाज को राजनीतिक शिक्षा और जागरूकता को प्राथमिकता देनी चाहिए, भागीदारी के लिए सुलभ रास्ते बनाने चाहिए और एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए जो युवा व्यक्तियों के योगदान को महत्व देती हो। हमारे समाजों और लोकतंत्रों का भविष्य नीतियों को आकार देने, न्याय की वकालत करने और हमारे समय की जटिल चुनौतियों का समाधान करने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करता है। राजनीतिक परिदृश्य में युवाओं द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानकर और उनकी राजनीतिक शिक्षा और भागीदारी का समर्थन करके, हम अधिक समावेशी, उत्तरदायी और गतिशील राजनीतिक प्रणाली का निर्माण कर सकते हैं जो सभी नागरिकों की विविध आवाजों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो। अधिक जीवंत, न्यायसंगत और टिकाऊ भविष्य की ओर यात्रा हमारे युवाओं को राजनीतिक क्षेत्र में सच्चे परिवर्तन–निर्माताओं के रूप में सशक्त बनाने और संलग्न करने पर निर्भर करती है।

संदर्भ

- अग्रवाल, आर. (2016)। भारतीय शिक्षा में प्रौद्योगिकी एकीकरण। शैक्षिक प्रौद्योगिकी अनुसंधान, 37(4), 411–426।
- बनर्जी, डी. (2011)। भारत में सतत कृषि पद्धतियाँ। जर्नल ऑफ सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, 23(3), 321–335।
- चटर्जी, एस. (2015)। विमुद्रीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 37(2), 213–230।
- दास, एस. (2015). भारतीय प्रवासी और वैश्वीकरण। जर्नल ऑफ इंडियन डायस्पोरा, 29(6), 671–686।
- जोशी, पी. (2016)। डिजिटल इंडियाः अवसर और चुनौतियाँ। सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, 20(5), 567–582।
- खन्ना, ए. (2017)। भारतीय कृषि में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन रणनीतियाँ। पर्यावरण नीति और योजना, 42(8), 821–836।
- कुमार, एस. (2012)। ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरणः एक केस अध्ययन। लिंग अध्ययन, 67(8), 663–674.